No. of Printed Pages : 3 **MHD-24**

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

एम.एच.डी.-24 : मध्यकालीन कविता-2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रश्न क्रं. 1 अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $2 \times 10 = 20$

(क) रहिमन घरिया रहँट की, त्यों ओछे की डीठ।
रीतेहि सन्मुख होत है, भरी दिखावै पीठ॥

(ख) कहा लियौ गुरु मान कौ अति ताती ह्वै नेम।
पारद सो उड़ि जाइगौ, अलि चंचल यह प्रेम॥

(ग) दीरघ दरीनि बसैं, केसवदास केसरी ज्यों,
केसरों को देखि बनकरी ज्यों कंपत हैं।
बासर की सम्पदा उलूक ज्यों न चितवत
चकवा ज्यों चंद चितै चौगुनो चंपत हैं।
केका सुनि ब्याल ज्यों बिलात जात घनस्याम
घननि की घोरनि जवासे ज्यों तपत हैं।
भौंर ज्यो भंवत बन जोगी ज्यों जगत निसि
साकत ज्यो स्याम नाम तेरोई जपत हैं।

(घ) आपुस मैं, रस मैं रहसैं, बहसै बनि राधिका कुंज विहारी।
स्यामा सराहत स्याम की पागहि, स्याम सराहत स्यामा की सारी।
एकहि दर्पन देखि कहै तिय नीके लगौ पिय, प्यो कहै प्यारी।
देवसु बालम बाल को बादु बिलोकि भई बलि, हौं बलिहारी॥

2. नीतिकाव्य परम्परा का परिचय देते हुए रहीम का महत्व प्रतिपादित कीजिए। 10

3. रीतिकालीन काव्य पर राजदरबारी जीवन के प्रभाव का आकलन कीजिए। 10

4. रीतिकाव्य की परम्परा का परिचय दीजिए। 10

5. देव की कविता में वर्णित शृंगारेतर विषयों का विवेचन कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) कविप्रिया

(ख) रीतिकाल संबंधी आधुनिक दृष्टि

(ग) रामचंद्रिका

(घ) मतिराम की प्रेम-व्यंजना